(c) the total amount of money sanctioned for the purpose?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI SHER SINGH): (a) and (b). No, Sir. However, Government of India on an invitation from the Government of Hungary, has decided to put up a pavilion to exhibit India's wild life at the World Hunting Exhibition, Budapest, to be held from 27-8-71 to 30-9-71.

(c) Rs. 6.03 lacs.

बिहार में रबी की फसल को क्षति और उसके लिये केन्द्रीय सहायता

*1455. **श्री ज्ञानेश्वर प्रसाद यादव**: क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बिहार में इस वर्ष हुई असामयिक वर्षा से रबी की फसल को कितनी हानि हुई;

(ख) क्या लगातार वर्षा होने और विभिन्न नदियों में बाढ़ आ जाने के कारण बिहार में मक्का की फसल भी पूर्णतया नष्ट हो गई है ?

कृषि मन्त्रालय में राज्य मंत्री (श्री अण्णा साहिब पी० शिन्दे): (क) असामयिक वर्षा के कारण रबी की फसलों विशेषकर गेहूँ तथा चने की फसलों को पहुँचने वाली हानि का अनुमान बिहार सरकार द्वारा लगभग 53 प्रतिशत लगाया गया है ।

(ख) जून और जुलाई 1971 के दौरान लगातार वर्षा के कारण मक्का की खरीफ की फसल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है और राज्य सरकार द्वारा समस्त राज्य के उत्पादन में वर्तमान में 26.2 प्रतिशत की हानि का अनुमान लगाया गया है ।

वर्षा के कारण रबी फसल के क्षतिग्रस्त होने के बारे में बिहार के भूतपूर्व मुख्य मंत्री का केन्द्र को प्रतिवेदन

*1458. **श्री रामावतार शास्त्री**: क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या बिहार के भूतपूर्व मुख्य मंत्री ने उनके अप्रैल, मई अथवा जून, 1971 में बिहार में लगातार वर्षा होने के परिणामस्वरूप रबी की फसल के क्षतिग्रस्त होने के बारे में कोई प्रतिवेदन दिया था; और

(ख) यदि हां, तो उसकी मुख्य-मुख्य बातें क्या हैं ?

कृषि मन्त्रालय में राज्य मंत्री (श्री अण्णा साहेब पी० शिन्दे): (क) तथा (ख): दिनांक 13/14 अप्रैल, 1971 को भूतपूर्व मुख्य मन्त्री ने प्रधान मंत्री को एक पत्र लिखा था । लेकिन उस पत्र में उन्होंने (क) असामयिक तथा कम वर्षा के कारण पिछले वर्ष खरीफ (धान) की फसल को हानि तथा (ख) जाड़े की वर्षा की कमी के कारण रबी के फसल को हानि की आशंका के सम्बन्ध में उल्लेख किया था । उन्होंने 'लगातार वर्षा के फलस्वरूप रबी की फसल की हानि' के सम्बन्ध में कोई उल्लेख नहीं किया ।

कोयला खानों में कार्य कर रहे कर्मचारियों के बच्चों को छात्रवृत्ति

*1459. **श्री धनशाह प्रधान**: क्या श्रम और पुनर्वास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या कोयला खानों में कार्य कर रहे ऐसे कर्मचारियों के बच्चों को श्रम-कल्याण-निधि से बिना किसी शर्त पर छात्रवृत्ति पाने का अधिकार है जिनका मासिक वेतन बोनस सहित 300 रुपया अथवा 325 रुपया है; और

(ख) यदि हां, तो उक्त वेतन वाले कर्मचारियों के बच्चों को अब तक यह सुविधा न प्रदान करने के क्या कारण हैं और उन्हें यह सुविधा कब तक प्रदान की जायेगी ?

श्रम और पुनर्वास मंत्री (श्री आर० के० खाडिलकर): (क) और (ख). कोयला खानों में कार्य कर रहे ऐसे कामगारों के बच्चों को छात्रवृत्तियां दी जाती हैं जो निर्धारित योजना में निबन्धनों और शर्तों को पूरा करते

हैं । इस लाभ का हकदार बनने के लिए, कामगार कोयला खान में कोई कुशल अथवा अकुशल मजदूरी का अथवा क्लर्क सम्बन्धी काम करने के लिए नियोजित होना चाहिए परन्तु उसका कार्य पर्यवेक्षण अथवा प्रबन्ध का नहीं होना चाहिए और बोनस को छोड़कर उसकी औसत मासिक आय सतही श्रमिकों की सूरत में 300 रु० और भूमिगत श्रमिकों की स्थिति में 325 रु०, प्रतिमास से अधिक नहीं होनी चाहिए । पिछले वर्षों में दी गयी छात्रवृत्तियों के नवीकरण के अतिरिक्त, एक वर्ष में केवल 522 छात्रवृत्तियां और 24 वजीफे देने की व्यवस्था है ।

Conference of State Agriculture Ministers held in Delhi

*1461. SHRI NIHAR LASKAR: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether the Conference of State Minister of Agriculture was held in New Delhi on 5th July, 1971;

(b) if so, the important points discussed; and

(c) the decision taken thereon ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI SHER SINGH): (a) Yes. A Conference of State Ministers of Animal Husbandry and Dairying was held in New Delhi on the 5th July, 1971.

(b) and (c). A statement showing the important points discussed and decisions taken thereon is laid on the table of the Sabha.

STATEMENT

Important points discussed in the meeting of the State Ministers of Animal Husbandry and Dairying and the decisions taken thereon.

Sl. No.	Important Points	Decisions taken
1	2	3
1.	Review of the working of the Intensive Cattle Development Projects.	Development of Crop husbandry and Animal Husbandry are equally important for country. Mixed forming should be encouraged for achieving rapid progress in this direction.
2.	Review of the working of the Intensive Poultry Development Projects.	Much more attention must be given to fodder production.
	WFP project.	
3.	348—Improvement of milk supply through balanced feeding of cattle and milk toning.	The Intensive Cattle Development Programme should not be allowed to loose its effectiveness due to lack of finance. The supply of technical inputs should not be diluted.
	WFP Project	
	353—Intensive egg and poultry production-cum-development of marketing centres.	The State Governments should work out their requirements for exotic cattle for intensifying their cross-breeding programme and Central Government should assist in the import of these Cattle.
		The cost of poultry feed should be reduced and that the programme for production of economic feeds from by-products evolved by the I.C.A.R. should be utilised by the States. The WFP assistance should be sought for expanding poultry development schemes.